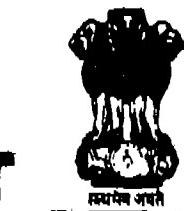


भारत का राजपत्र

The Gazette of India



असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड—I

PART I—Section—I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 107]

No. 107]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 9, 1997/ज्येष्ठ 19, 1919
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 9, 1997/JYAISTHA 19, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून 1997

विषय : यू० एस० ए०, चीन जनवादी गणराज्य, जर्मनी, बेल्जियम, इटली, फ्रांस, स्पेन तथा आस्ट्रिया मूल के या वहाँ से नियंत्रित ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइस के आयातों से संबंधित प्रति-पाटन जांच—प्रारंभिक जांच—परिणाम।

एडीडी/आई डब्ल्यू/43:—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटन वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, आकलन और वसूली एवं क्षति का निर्धारण) नियम, 1995 को देखते हुए—

क. प्रक्रिया

1. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित जांच प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :
- (क) निर्दिष्ट प्राधिकारी को (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) उपरोक्त नियमों के अंतर्गत घेरलू उद्योग की ओर से मै. इंडियन ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइस मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें यू० एस० ए०, चीन जनवादी गणराज्य तथा यूरोप मूल के अधिकारी वहाँ से नियंत्रित किए गए ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइस के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- (ख) आवेदन की प्रारंभिक पुनरीक्षा से कुछ कमियां प्रकट हुईं जिनका संकेत याचिकाकर्ताओं को दिया गया। याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया कि उसने चीन जनवादी गणराज्य से नार्मल पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइस (इसके बाद एन पी जी इलैक्ट्रोइस के रूप में उल्लेख किया जाएगा) तथा इसका विभिन्न किस्मों के आयात तथा यू० एस० ए और यूरोप से (इसके पश्चात् चीन जनवादी गणराज्य सहित इन सभी देशों का सामूहिक रूप से उल्लेख संबद्ध देशों के रूप में किया गया है) अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड, ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइस (इसके पश्चात् यू० एस० ए एवं पी इलैक्ट्रोइस के रूप में उल्लेख किया जाएगा) के आयात के विरुद्ध शिकायत की है। इस रिपोर्ट में एन पी जी इलैक्ट्रोइस तथा यू० एस० ए एवं पी इलैक्ट्रोइस का उल्लेख संबद्ध उत्पादों के रूप में किया गया है।
- (ग) प्राधिकारी ने, याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्यात प्रमाणों के आधार पर यू० एस० ए०, चीन जन. गण., जर्मनी, बेल्जियम, इटली, फ्रांस, स्पेन तथा

आर्सेनिया के विस्तृ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमों के उपनियम ५४५ के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में इन देशों के दूतावासों को तूषित किया।

॥८॥ प्राधिकारी ने ३० सितम्बर, १९७६ को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया, जिसके द्वारा संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सन्-पी.जी. इलैक्ट्रो इंड तथा यू.एच.पी. इलैक्ट्रो इंड के आयात से संबंधित "संटी डीम्पंग" जांच शुरू की गई। जो कि सीमाशुल्क अधिनियम १९७५ की अनुसूची के अन्याय-४५ के अंतर्गत घर्गीकृत है।

॥९॥ प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातिकों जिनका विवरण याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध करवाया गया। और उद्योग संगठनों को भेजी और नियम ६४२ के अनुसार उन्हें लिखित सम में उनके दृष्टिकोण की जानकारी देने का अवसर दिया।

॥१०॥ प्राधिकारी ने भारत बै ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंड के ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि पत्र मिलने के चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण से अवगत करवाएं।

॥११॥ केन्द्रीय उत्पाद सर्व सीमाशुल्क बोर्ड सीबीईसी से भी अनुरोध किया गया तळ जांच की अवधि के दौरान की संगत सभी "बिल आफ इन्द्रीज" की प्रतियाँ उपलब्ध कराई जाएं। लेकिन सीबीईसी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई।

॥१२॥ प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम ६४३ के अनुसार याचिका को प्रतियाँ सभी ज्ञात निर्यातिकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को भी प्रदान की।

॥१३॥ संगत सूचना को प्रकाश में लाने के लिए प्राधिकरण ने निम्नलिखित ज्ञात निर्यातिकों को प्रसन्नावली भेजी:

- उकार इंक
- स्सजीसल कार्बन
- घाइना मैटाला जिकल इम्पोर्ट संड सक्सपोर्ट कार्पॉरेशन
- घाइना नेशनल नान फेरस मैटल इम्पोर्ट सक्सपोर्ट कार्पॉरेशन
- शैक्सो एक्सपोर्ट इम्पोर्ट कार्पॉरेशन, घाइना
- ओतिया इंटरनेशनल, हांगकांग
- बोर्डिंग मैटल एंड मिनरल इम्पोर्ट सक्सपोर्ट कार्पॉरेशन
- हरकोले ट्रेंडिंग पैसिपिक प्रा० लिमिटेड, आस्ट्रेलिया

मैटर्स उकार इंक, स्ल जी सल कार्बन, लिओनिंग मेटल्स स्टड मिनरल्स इम्पोर्ट संड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन ने समय बढ़ाने का निवेदन किया, जिसके लिए दो सप्ताह की अनुमति दी गई।

प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित द्वारा पेश किया गया :

- ० उकार इंस्ट्रनेशनल इंक दानबरी इसके पश्चात उकार कहा जास्ता।
- ० लिओनिंग मेटल्स स्टड मिनरल्स इम्पोर्ट संड एक्सपोर्ट पाइना (इसके बाद लिओनिंग मिनरल्स कहा जास्ता।)

॥५॥ संबद्ध देशों के नई दिल्ली इस्पात दूताधारों को नियम ६॥२॥ के अनुसार जाँच के संबंध में सूचना दी गई जिसमें ये अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्धारितकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें। निर्धारितकों को ऐसी गई याचिका पत्र और प्रश्नावली की प्रतियाँ दूताधारों को भी भेजी गई हैं।

॥६॥ भारत में आ॒स्ट्रिया के व्यापार आयुक्त ने १०.१०.१६ को फैल्स के जरीस कैरियर इम्प्रॉक्यूटर्स में लगो आ॒स्ट्रियाई कम्पनी/संगठन का नाम जानना यादा। इसकी जानकारी उन्हें ८.१०.१६ के पत्र द्वारा भेज दी गई।

॥७॥ भारत में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के बात आयातकों को भी प्रश्नावली भेजी गई, जिसमें नियम ६॥४॥ के अनुसार आवश्यक सूचना माँगी गई थी।

मैटर्स राठी इस्पात लिंग ने सम्यावधि बढ़ाने का अनुरोध किया था, अत्थु प्राधिकारी ने २ सप्ताह का समय बढ़ाने को अनुमति दी थी।

अल्फारेस्ट

प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित द्वारा प्रस्तुत किया गया :

- ० ईस्तर स्टील लिमिटेड, हांगिरा।
- ० मुजुन्द लिंग थाणे।
- ० लायझ्स स्टोल इंडस्ट्रीज लिंग, घण्टा।
- ० मध्य प्रदेश आयरन स्टोल कंपनी, नई दिल्ली।
- ० राठी इस्पात लिंग, गोपीनाथाबाद
- ० फैरो इलायूस कार्पोरेशन लिंग, नागपुर
- ० कनोरिया स्टील्स, मुम्बई।

॥८॥ घरेलू उपयोग संबंधी सूचना में इण्डियन ग्रेफाइट मेन्युफैक्चरर्स सतोत्तेश्वर इसके पश्चात झग्गा या याचिकाकर्ता के सम में उल्लेख किया जास्ता। से माँगी गई थी, जो प्रस्तुत कर दी गई थी ;

॥९॥ प्रारंभिक जाँच परिणामों के लिए जरूरी समझी गई सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया।

॥१०॥ संबंधित माल के उत्पादन की इष्टतम लागत, निर्णय लागत तथा भारत में उसकी बिक्री लागत का जायजा लेने के लिए लागत जाँच भी की गई। यह जाँच सामान्य

स्थीकृत लेखा सिद्धान्तों वृजीस्सपी॥ तथा यांचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पर आधारित थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि क्या डीम्पंग मार्जिन से कम प्रतिपाटन शुल्क घरेलू हानि को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

इति यह जाँच। अप्रैल, 1995 से 30 अगस्त, 1996 तक की अवधि के लिए की गई।

छूट यांचिकाकर्ता के विषयार:

२. यांचिकाकर्ता ने अपनी यांचिका और बाद में पेश कागजातों में निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाए हैं :

का। डीम्पंग पर

- यूरोप ग्रेफाइट इलैक्ट्रोक्स के निर्माता उकार इंक और सस जी सल कार्बन भारत को इसका निर्यात 2005 अमरीकी डालर प्रति मी० टन ४००० और ३००० की दर पर कर रहे हैं जबकि वे अपने घरेलू बाजारों में इसकी बिक्री ३२०० अमरीकी डालर प्रति मी० टन पर कर रहे हैं;
- उकार इंक और ससजी सल कार्बन का अन्य देशों को होने वाला निर्यात मूल्य 2950 से 3162 अमरीकी डालर प्रति मी० टन है जैसांकि कार्बन डाटा बैंक से स्पष्ट है;
- चीनी निर्माता भारत को प्रत्यक्षतः तथा हाँगकांग के व्यापारीयों के ज़ीरेस 1100-1200 अमरीकी डालर प्रति मी० टन के डीम्पंग मूल्य पर निर्यात कर रहे हैं। चीन से होने वाले निर्यात मूल्य में कम्पी तामग्नी तथा उपयोगिता लागत तक भी शामिल नहीं है।

क्षमता पर

- यद्यपि, यूरोपी इलैक्ट्रोक्स की घरेलू मांग लगभग 5300 मी० टन है तथा यूरोप/यूरसिया से अधिक आयात होने के कारण घरेलू उधोग के हिस्से में तेजी से गिरावट हो रही है;
- यूरोपी पी इलैक्ट्रोक्स से आयात में वृद्धि हुई जो छुल घरेलू मांग के १% [1992-93] के बढ़कर १२% [1993-94] और ४३% [1995-96] तक हुए;
- घरेलू उधोग का क्षमता उपयोग ८३% [1993-94] से घटकर ७४% [1995-96] तक रह गया।

धीन से हुस ग्रेफ़ाइट इलैक्ट्रोह्स के आयात के परिणामस्वरूप घरेलू उपयोग की बिक्री 18500 मी० टन १२-१३४ से घटकर 15000मी० टन १५-१६४ तक रह गई जिससे घरेलू उपयोग को क्षति पहुंची ।

- ग० नियांतकों, आयातकों और अन्य ट्रिटबद्ध पक्षों के विचार
- ३० नियांतकों, आयातकों और अन्य ट्रिटबद्ध पक्षों ने जो विचार प्रस्तुत किए हैं, उनका सारांश नीचे दिया गया है : -
- १० स्त जी श्ल कार्डन ए जी:

स्त जी श्ल कार्डन ने डीम्पिंग के आरोप को अस्थीकार किया है । नियांतक का विचार है कि उसने भारत को भी गई बिक्री से संबंधित सभी दस्तावेजों की जांच करके यह पाया कि यह उपयित उपायार प्रिनियम के अनुसर है । नियांतक ने यह भी कहा है कि भारतीय आपूर्तिकर्ता यूरोप और विदेशों में बाजार मूल्यों से कम कीमत पर बेच रहे हैं ।

२० उकारः

उकार ने अत्यधिक मूल्क प्रतिबंधों द्वारा स्थापित बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है । अधिक मूल्क के फलस्वरूप भारतीय आर्क फर्नेस क्लैव को नुकसान उठाना पड़ा है । भारतीय इस्पात उपयोग के गौण क्लैव को विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उसकी मदद करने की आवश्यकता है । पाटनरोधी शुल्क लगाने से सूण गौण इस्पात क्लैव को नुकसान पहुंचेगा और इससे भारत में ग्रेफ़ाइट इलैक्ट्रोह्स की आपूर्ति का स्कार्धिकार बनाने में मदद मिलेगी ।

जी आर्ड, एच ई जी ट्रांस्फोर्मर्स, इन तीनों कंपनियों की बिक्री और इनकी परिसम्परीतयों में जो वृद्धि हुई है उससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि उपयोग को कोई नुकसान हुआ हो ।

उकार ने आरम्भ में भारत को बिक्री करने के अपने प्रयास करते हुस उन साइजों की आपूर्ति की जिनका उत्पादन भारतीय उत्पादक उपकरण-बाधाओं के कारण नहीं कर सकते थे । उकार के उत्पाद को प्राथमिकता देने का कारण इनके कीमत का कम होना नहीं है बर्तलक उत्पाद की उच्च गुणवत्ता और तकनीकी सेवा का होना है ।

उकार ने भारतीय बाजार में अपने सामान की आपूर्ति उपयित अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों पर की है ।

३ धीनी निर्यातक, आयातक और अन्य द्वितीय पद्धति:

कौ० डीम्पंग परः

- जिस मूल्य पर धीन में सामान की बिक्री की जाती है, धीन से किस ग्रंथि निर्यात का मूल्य उत्सु कम है ; धीन से होने वाले निर्यात पर इमाद नहीं दी जाती ;
- धीन के कुछ बेईमान निर्यातक घटीया किसम का निर्यात कर रहे होंगे अथवा कुछ बेईमान आयातक बीजक में आयात मूल्य को कम दिखाकर आयात कर रहे होंगे ;
- आयात के मामले में परिवहन के दौरान औसतन ५% का नुक्सान हुआ है ।

छौ० नुक्सान, कार्य-कारण तंब्ध और अन्य मामलों पर

- भारतीय उत्पादक यू. एच पी इलैक्ट्रो इंस का उत्पादन नहीं करते हैं इसीलिए उनकी विकायत में कोई दम नहीं है ;
- भारतीय उत्पादक सक उत्पादक संघ के स्म में कार्य करते हुए कीमतों को कृत्रिम स्म से ऊपर सर्व नियंत्रित रख रहे हैं और अर्थ-सका पिकारी तरीके से कार्य कर रहे हैं ।
- पाटनरोधी शुल्क लगाने से अनुचित संरक्षण बढ़ेगा ;
- भारतीय उद्योग ने पर्याप्त उन्नति भवीं की है जिसके कारण इसे नुक्सान हुआ है ;
- भारतीय उत्पादकों को आयात शुल्क के संरक्षण का लाभ पहले से ही प्राप्त है और पाटनरोधी शुल्क लगाकर और आगे लाभ की अनुमति देना अनुचित है ;
- भारतीय उत्पादक अपने उत्पाद का निर्यात कर सकते हैं और भारतीय मार्ग आयात के जरिए पूरी की जा सकती है ;
- धीन में बड़े डायामीटर के इलैक्ट्रो इंस की कीमत अधिक है जबकि भारत में छोटे डायामीटर के इलैक्ट्रो इंस की कीमत अधिक है । इसीलिए भारत में उपभोक्ता छोटे डायामीटर के इलैक्ट्रो इंस का आयात करना पसन्द करता है ;
- परिष्कृत सामान के प्रति टन उत्पादन के लिए आयातित सामग्री की खपत ज्यादा है क्योंकि सामग्री की क्वालिटी घटीया है ;
- स्वदेशी सामग्री की खरोद औसतन २० दिन के बीच पर की जाती है जिसके फलस्वरूप आयातित सामग्री की त्रुतना में १०-२५% वार्षिक दर से बढ़त होती है ;
- आयातित सामग्री को अधिक मात्रा में खरोद को जाती है और इस पर अतिरिक्त लागत आती है जैसे भाड़ारण में, अतिरिक्त माल-सूधी पर रुक्ति नियम पर ब्याज का नुक्सान, वित्तीय शुल्क, सत्ती खोलने का शुल्क, वापस किस ग्रंथि दस्तावेजों पर बैंक कमीशन, टेलैक्स/डॉक शुल्क आदि ।
- ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंस के सक आयातक सर्व उपभोक्ता रस्सार ट्टोल लिंग ने कहा है कि वह २८"/३०" डाया इलैक्ट्रो इंस का भारत में एकमात्र प्रयोक्ता है और कोई भी भारतीय विनिर्माता इस रेज का उत्पादन नहीं कर रहा है । इन ग्रेडों का आयात करना अत्यन्त आवश्यक है और इन इलैक्ट्रो इंस ग्रेडों की डीम्पंग का प्रधन नहीं उठता है ;

...जारी/-

- आयातित इलैक्ट्रो इंज की गुणवत्ता अधिक स्थायी है ;
 - भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति में समस्याएँ आती हैं जो तंकट पैदा करके कम लम्बाई के इलैक्ट्रो इंज की बिक्री करने के आदी हैं ।
 - भारतीय उद्योग का औतत बिक्री मूल्य घीन के औतत आयात मूल्य से काफी अधिक है ;
- उठाए गए मुद्दों की जांच**

निर्यातकों, आयातकों, वापिकाकर्ता और अन्य दिवाबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों की जांच की गई और उन पर विषार किया गया है और उन पर इस अर्द्धतूचन में उपयुक्त स्थलों पर नारंवाई की गई है ।

१३. विषाराधीन उत्पाद

- वर्तमान जांच के दायरे में शामिल उत्पाद हैं निम्नलिखित किस्म के ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंजः—
- कें अल्ट्रा-हाई पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंज़। जिसका यू स्च पीर्के स्म में उल्लेख किया गया है ।
 - छो नार्मल पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंज़ जिसमें इसकी इन्नता, उच्च शक्ति ग्रेड में उल्लेख किया गया है ।

यू स्च पीर्का निर्माण करने के लिए उत्पादन प्रक्रिया में प्राथमिक कच्छी सामग्री के स्म में कैल्साइन्ड पैट्रोलियम कोक नीडल स्ट्रक्चर नीडल कोक के जाम से प्रोत्तु है, कोलतार पिप्प और पैट्रोलियम पिप्प की जरूरत पड़ती है । प्रक्रिया में शामिल है—
स्म-विधान, पकाना, फ्लान्ज, दुबारा-पकाना, ग्रेफाइटीरिंग स्टड मशीनिंग स्न पीजी रेग्लर ग्रेडों के निर्माण की प्रक्रिया में अन्य कच्छी सामग्री के साथ कैल्साइन्ड पैट्रोलियम कोक का इस्तेमाल किया जाता है और इस प्रक्रिया में यू स्च पीर्का निर्माण वाली प्रक्रिया शामिल है लिवाय पिप्प फुलाने और दुबारा पकाने को छोड़कर । यह भी देखा गया है कि उच्च शक्ति यू स्च पीर्का इलैक्ट्रो इंज के निर्माण में पिच को इन को पुलाकार नियमेत ग्रेड के कैलिस्टाइन्ड पैट्रोलियम कोक ला इस्तेमाल भी किया जाता है । इस अतिरिक्त प्रक्रिया से स्न पीजी इलैक्ट्रो इंज में कैरेंट कैरिंग कैमेरिटो जैसे कौतप्य अधिक/उन्नत गुण आ जाते हैं ।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, यू स्च पी, स्न पीजी समेत सभी ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंज, जिसमें हाई पावर ग्रेड जैसी किस्म शामिल है, वर्तमान जांच के दायरे में आती है ।

6. ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंज शॉटों में विषुत कन्डक्टर के स्म में कार्य करता है और इस्पात अथवा बन्ध तामगो के उत्पादन के लिए प्रयुक्त धातु की बतरनों अथवा अन्य सामग्री को पिघलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न करता है । ऊर्जा ग्रेफाइट इलैक्ट्रो इंज के द्वारा उत्पन्न की जाती है क्योंकि विषुत अत्यन्त उच्च स्पीडिटर पर इससे प्रयोगित होकर जाती है और यह इलैक्ट्रो इंज तभी कच्छी सामग्री के डीय स्क विषुत धाप बनाती है । उत्पादन प्रक्रिया के दौरान इलैक्ट्रो इंज का आम तौर पर

उपयोग हो जाता है। किसी इलैक्ट्रोड का आकार भट्टी के आकार, इसके पिछुत द्रातव्यार्थ और भट्टी की उत्पादकता पर निर्भर करेगा। इसके आकार में पिलड़ण किञ्चित होती है जिसका व्यास 75 मी.मी. ० से 750 मी.मी. ० तक तम्बाई २ पुट से १ पुट तक वजन २० पौंड से ४८०० पौंड के बीच होता है। इलैक्ट्रोड्स के उपयोग की दर भट्टी की कार्य-क्षमता एवं उत्पादकता पर निर्भर करती है।

7. • ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स का वर्गीकरण तीमा शुल्क टैरिफ स्कूट, १९७५ की अनुसूची। के अध्याय ८५ के अंतर्गत किया गया है। तथापि यह वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और यह किसी प्रकार वर्तमान जाँच के दायरे और शुल्क योग्य मद पर बाधित नहीं है।

८. समान वस्तुएँ

8. हाई पावर और यू.स्य.पी. इलैक्ट्रोड सीहित सन.पी.जी. इलैक्ट्रोड का उत्पादन और बिक्री विभिन्न आकारों में की जाती है, जिसका विस्तृत विवरण ऊर दिया गया है। विभिन्न आकार एक ही प्रकार की प्रौद्योगिकी, प्रसंस्करण और कच्चे माल से मिलते हैं। विभिन्न आकार एक ही सामान्य उद्देश्य को पूरा करते हैं और एक विशेष आकार ग्रहण करने में उपयुक्त भट्ठी में उनके अन्तर्म उपयोग के संबंध में ही अलग-अलग हैं।

9. प्राप्तिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित और बेचे गए एवं एक धीन जनण से आया तित ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया गया। इसी प्रकार, घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित और बेचे गए और यू.स्य.०.०., स्पेन, इटली, प्रांस, आस्ट्रिया, बेल्जियम और जर्मनी से आया तित का उपयोग भी एक दूसरे के स्थान पर किया जाता रहा। किसी भी इतिहास पक्ष ने संबद्ध देशों से आया तित उत्पादों एवं घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित उत्पादों एवं घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित और बेचे गए उत्पादों के बीच किसी अन्तर के बारे में कोई रिपोर्ट नहीं दी है। इस प्रकार, घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित सामान संबद्ध देशों से आया तित सामान और मिलती-जुलती रूपों। इस प्रकार, प्राप्तिकारी यह समझते हैं कि घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित सन.पी.जी. ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड नियमों के अर्थ में धीन से आया तित ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के समान वस्तु है और घरेलू उपयोग द्वारा उत्पादित यू.स्य.पी. ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड पीम जनण से आया तित ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के समान वस्तु है।

१०. घरेलू उपयोग

10. यह याचिका मैतर्स इण्डियन ग्रेफाइट मैनुफ्क्चरर्स स्टोरिशन, पी.स्य.डी. हाउस, रशियन गेम्स विलेज के सामने, नई दिल्ली द्वारा दायर की गई है। भारत में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के तीन उत्पादक हैं:-

० भैतर्त

- ० ग्रेफाइट इण्डिया लिमिटेड् जी.आई.॥
 ० स्पॉईड् जी. लिमिटेड् एस.ई.जी.॥
 ० कार्बन एपरफ्लो लिमिटेड् सी.ई.॥

सभी तीनों उत्पादक इस संघ के सदस्य हैं और वर्तमान जांच में भाग ले रहे हैं। इस याचिका को भारत में सभी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है। इस प्रकार, इस याचिका को घरेलू उधोग की ओर से दायर किया गया माना गया है।

ग्रेफाइट इण्डिया लिमिटेड् जी.आई.लिमिटेड् कार्बन
 एपरफ्लो लिमिटेड् भारत में कुल घरेलू उत्पादन के बड़े अंश के लिए जिम्मेदार हैं। अतः ये तीनों एपरफ्लो और उमर के नियम २५५५ के अनुसार घरेलू उधोग हैं।

३. सामान्य मूल्य

उकार इन्क.

उकार इन्क. इस रिपोर्ट में इसके बाद उकार के सभी मूल्यों किया गया हैं ने अपना उत्तर दायर किया। इसके द्वारा दी गई सूचना के आधार पर नियांत्रिक का सामान्य मूल्य निकाला गया है और इसी पर नीचे यथा की गई है :-

उकार के संघर्ष नियांत्रिक स्थानों पर है :-

- ० क्लार्किल्ले, टेनेसो, यू.एस.ए.,
 ० कोलम्बिक, टेनेसी, यू.एस.ए.,
 ० वेलेंड ऑटारियो, कनाडा,
 ० मोन्ट्रेरी, न्यूशॉ-लिंबोन, भैविक्सको,
 ० साल्पाडोर बाहिया, ब्राजील,
 ० इमता (पीटीपार्ट) लिमिटेड, मेयरटन दीक्षण, अफ्रीका
 ० कैलीस, प्रांस,
 ० नोट्रे-डे-डी-ब्राइनकोन, प्रांस,
 ० कासटा, इटली,
 ० पार्म्पलोना, स्पेन।

१३. प्राप्तिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि कम्पनी के संघर्ष विश्व के अनेक देशों में हैं, उकार इन्टरनेशनल, इन्क, डेवरी, सी.टी.यू.एस.ए. ने सभी संघर्षों की ओर से जबाव दायर किया है, जिसमें इसके द्वारा किस ग्रस सम्पूर्ण नियांत्रिक के विवरण दिस गए हैं। पात्तव

में, कम्पनी ने उस संयंत्र/देश का संकेत तक नहीं दिया है जहाँ से इसने निर्यात किए हैं।

14. धारा 9 का ॥५॥ गृह के अन्तर्गत किसी वस्तु के बारे में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

1. व्यापार के सामान्य स्म में मिलती-चुलती वस्तुओं का तुलनात्मक मूल्य जबकि यह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए हो, जिसका निर्धारण उप-धारा ॥६॥ के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या

2. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य स्म में मिलती-चुलती वस्तुओं की कोई बिक्री न हो, या निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थित या बिक्री की कम मात्रा के कारण सेसी बिक्री से उपर्युक्त तुलना नहीं की जा सकती हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा -

॥६॥ निर्यातक देश या क्षेत्र या उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किए जाने पर मिलती-चुलती वस्तुओं का तुलनात्मक प्रतीतिनिधि मूल्य, जिसका निर्धारण उप-धारा ॥६॥ के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा; या

॥७॥ प्रशासनिक लागतों, बिक्री-लागतों और सामान्य लागतों सर्व लाभों के लिए उपर्युक्त राशि जो इन्हें हुए उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, जिसका निर्धारण उप-धारा ॥६॥ के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा :

बशर्ते कि उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहाँ वस्तु का निर्यात वाले देश से केवल वाहनान्तरण किया गया है या निर्यात वाले देश में सेसी वस्तु का उत्पाद नहीं किया जाता है या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है, तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

15. उकार ने वस्तुओं का निर्यात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से किया है। किन्तु, उकार द्वारा उक्त वस्तुओं का उत्पादन निर्यात वाले देश में किया जा रहा है तथा निर्यात वाले देश में वस्तुओं का तुलनात्मक मूल्य है। इसके साथ-साथ, वस्तुओं का भारत में निर्यात करने या निर्यात वाले देश के घरेलू बाजार में बेचने का उकार के पास विकल्प था। इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यात वाले देश, अर्थात् यू.स्स.ए. के संदर्भ में किया जाना है ।

16. यू.स्स.ए. में सामान्य मूल्य के बारे में प्रारंभिक यह नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा दी गई सूचना से यह स्पष्ट नहीं कि यह यू.स्स.ए. के बारे में है या उकार के सभी संयंत्रों के बारे में है ।

17. निर्यातक ने घरेलू कीमतों में निम्नलिखित समायोजन का दावा किया है:

1. अन्तर्रेशीय भाड़ा: निर्यातक ने अंतर्रेशीय भाड़े के लिए 25 यू.स्स. डॉलर प्रतिमीटन की राशि का दावा किया है ।

2. रखरखाव: निर्यातक ने रखरखाव के ऊर्ध्व के लिए 10 यू.स्स. डॉलर प्रति सम.टी. की राशि का दावा किया है ।

३० कमीशनः निर्यातिक ने ३-५८ के छोथ कमीशन का दावा किया है ।

निर्यातिक ने घरेलू और निर्यात बिक्रियों के संबंध में समायोजनों की एक ही राशि का दावा किया है । प्रारम्भिक जांच परीक्षामों के उद्देश्य से कारखानागत प्रूफिलियों का निर्धारण करने के लिए ४॥४ से ४॥१॥४ तक किस गए दावों की अनुमति दी जाती है ।

॥ स्स जी एल कार्बन

१८० स्स जी एल कार्बन ने घरेलू और निर्यात बिक्रियों के मामले में दिनांक २०.११.१९९६ के फैसले के द्वारा समय बढ़ाने की मांग की, जिसे प्राधिकारी ने प्रदान किया । लेकिन निर्यातिक ने निर्धारित रूप और तरीके से कोई उत्तर नहीं दिया है ।

समय-प्रिस्तार की मांग करते वक्त, स्स.जी.एल. ने स्स.जी.एल. कार्बन ए जो और अपनी विश्व-भर में सभी सहायक कंपनियों की ओर से स्स.जी.एल. ने कहा कि लागत ढाँचों और सुविधाओं के बारे में विस्तृत विवरण का नून के अंतर्राष्ट्रीय सिद्धान्तों के प्रतिकूल है ।

निर्यातिक ने २५.२.१९९७ के पत्र द्वारा आरोप से यह कहते हुए इन्कार किया कि गृष्म के अन्दर भारत को को गई बिक्री से सम्बद्ध सारे दस्तावेजों की साक्षानीपूर्वक जांच की गई थी और इससे पुदरीत होता है कि व्यापार भेदभाव रहीहत व्यापार-नियमों के अनुरूप है । निर्यातिक ने एक विवरण-पत्र संलग्न किया जिसमें इसने भारत को किस गए निर्यात का कारखानागत निर्यात मूल्य और अपनी बाजार कीमत को दर्शाया है ।

१९० निर्यातिक का यह तर्क तर्क-संगत नहीं है कि लागत ढाँचों और सुविधाओं के विस्तृत विवरण ऐसे अनेक प्रश्न अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धान्तों के प्रतिकूल हैं । नियम ६॥२॥ प्राधिकारों को ऐसी सूचना एकत्र करने का अधिकार देता है, जिसे कि उचित निर्णय पर पहुंचने के लिए वह उपयुक्त समझे । प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना-कानून के प्राच्छानों के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए आवश्यक है ।

२०० स्स.जी.एल. के सामान्य मूल्य तथा/या निर्यात कीमत का निर्णय करने के लिए भारतीय उद्योग द्वारा निर्यात या कीमत पाठ्न अप्राप्तिगिक है ।

२१० उपर्युक्त को देखते हुए निर्यातिक को सहयोग नहीं करने वाला मानने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है एवं प्राधिकारी ने नियम ६॥४॥४ के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का निष्पत्ति किया है । निर्यातिक ने इस कीमत का विवरण दिया है जिस पर उसने भारत को निर्यात किया ४भारत को ४॥४ गए निर्यातसे सकल और निवल प्राप्ति ४॥४ यह पाया गया है कि निर्यातिक ने अपनी गृह बाजार में यू.स्स.डाल-प्रति मो.टन के सकल मूल्य पर और यू.स्स.डालर प्रति मी.टन के निवल मूल्य पर बिक्री की ४यू.स्स.डालर प्रति मी.टन अंतर्राष्ट्रीय भाड़े के स्पष्ट में समायोजित करने के बाद ४॥४ याधिकार्ता ने यू.स्स.डालर प्रति एक टो के सामान्य मूल्य

का दावा किया है। प्राधिकारी ने स्संजी.स्ल. कार्बन के मामले में सामान्य मूल्य पर निर्यातिक द्वारा दी गई सूधना के आधार पर विवार किया है। यदीप प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया गया है।

III. लियोनिंग मिनमेटल :

22. लियोनिंग मिनमेटल ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में उत्तर दिया है। इसके उत्तर का विवरण किया गया है और यह पाया गया कि यदीप उत्तर लियोनिंग मिनमेटल के पत्र शीर्ष पर दिया गया है, लेकिन सूधना विक्सी और दूषितों के बारे में है। उक्त उत्तर में से सेवन किया है कि गृह बाजार में बिक्री एवं भारत तथा अन्य देशों को निर्यात अलग-अलग हासिलयों द्वारा किया गया। यह भी पाया गया कि उत्पादन लागत और लाभदाता विवरण-पत्र में दी गई इकाई बिक्री कीमत सबसे कम बिक्री कीमत के आधार पर दी गई है। जबकि निर्यातिक को त्रुलनाट्मक बिक्री कीमत देनी चाहिए थी। निर्यातिक ने समान उत्पाद के उत्पादन में लगी फैक्ट्रीयों को विस्तृत विवरण और सरकार द्वारा विभिन्न स्पों में निर्यात बिक्री पर दिस रखा है। निर्यातिक निर्यातिकों द्वारा उत्प्रेरकों के विवरण भी प्रस्तुत नहीं किए हैं। जैसे आयकर रियायत/छटा, रियायती और मैट्रो दरों पर आपूर्ति बिजली, पानी इत्यादि जैसी उपयोगिताएँ वस्तुओं की आयत छकदारीजो कि अन्य प्रकार ते आयातों के लिए प्रतिबंधित ही इत्यादि के बारे में इसके साथ-साथ लायोनिंग मिनमेटल द्वारा उत्तर के साथ संलग्न लिए गए कंपनी विवरण की प्रति से यह पाया गया है कि निर्यातिक जो कि सक राज्य-स्वामित्व पाली कम्पनी है वह वस्तुओं की खरेदी विवरण एवं पोत लदान में लगी है तथा सेवा लगता है कि वह वस्तुओं का उत्पादन नहीं करती है।

उपर्युक्त को देखते हुए उन्हें निर्णय पर पहुँचने के लिए निर्यातिक द्वारा दायर जवाब को अपूर्ण एवं अपर्याप्त माना गया है तथा प्राधिकारी ने इस सूधना को स्वीकार नहीं किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण या विकार्ता द्वारा प्रस्तुत सूधना अर्थात् चीन जनवादो गणराज्य से प्राप्त उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है।

IV. धीन से अन्य निर्यात :

23. आयातकों द्वारा दी गई सूधना से यह पाया गया कि याइना नेशनल नान फैस मेटल्स इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट हेनान कारणों से इसके बाद याइना नेशनल्स ने भी भारत को ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड का निर्यात किया है। निर्यातिक ने कोई उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने इस निर्यातिक के मामले में नियम 688 के अनुसार घोन के लिए निकाली गई उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण पर विवार दिया है।

I. निर्यात कीमतI. उकार इंक :

24. उकार ने इसके द्वारा किस गर निर्यातों के ब्यौरे भेजे हैं। ब्यौरे में लुछ देशों से किस गर पोतलदान आयिल है। पूँकि निर्यातिक ने भारत को इन कीमतों पर निर्यात किया है, इसीलिए इस बात की अनदेखी करते हुए कि किस देश से माल का लादान हुआ है, निर्यात कीमत का निर्धारण करते समय इसके द्वारा किस गर सभी निर्यातों को ध्यान में रखा गया है। प्राधिकारी ने यह नोट किया कि डीम्पिंग का निर्णय लेने में पात्त्वाधिक पोतलदान का तथ्य लहूत कम महत्व का है।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने उस स्थान पर ध्यान दिए बिना जहाँ से माल हुलाई की गई, जापी अवधि के दौरान उकार द्वारा किस गर सभी निर्यातों पर विचार किया।

निर्यातिक ने अन्तर्देशीय भाड़े, हैडलिंग कमीशन, विदेशी बीमा और विदेशी भाड़े के कारण समायोजन का दावा किया है। अन्तर्देशीय भाड़े हैडलिंग और कमीशन के संबंध में दावे की राखिं फैसी ही है जैसा कि घरेलू बिक्री के मामले में दावा किया गया इसीलिए इसकी अनुमति दी गई है। निर्यातिक ने विदेशी भाड़े के कारण यू स्स डालर प्रति मी.टन तथा विदेशी बीमा के कारण यू स्स डालर प्रति मी.टन की राखि का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावे किस गर इन समायोजनों की अनुमति दे दी है।

II. सस जो शल कार्बन

जैसा कि सामान्य मूल्य से संबंधित पेरा में बताया गया है, निर्यातिक ने वह कीमत भेजी है, जिस पर उसने भारत को निर्यात किया है निर्यातिक ने यह बताया है कि इसने भारत को यू स्स डालर प्रति मी.टन १२ टी आई.एफ मुम्बई १२ तथा यू स्स डालर प्रति मी.टन कारखाना द्वारा १२ की कीमत पर निर्यात किया है तथाँ प आयातक द्वारा दी गई सूचना से यह पाया गया कि निर्यातिक ने स्कू समान कीमतों पर निर्यात नहीं किया है जैसा कि निर्यातक द्वारा दावा किया गया है। और निर्यात कीमत निर्यातक द्वारा दी गई कीमत से कम है। पूँकि स्कू जी शल ने निर्यात कीमत के बारेमें सूचना निर्धारित स्प में तथा तरीके से नहीं भेजी है इसीलिए प्राधिकारी

ने नियम ६४८॥ के अनुसारण में, यानि उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यातीकीमत का निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने आयातद्वारा दिये गये छोरों के आधार पर निर्यातीकीमत का निर्धारण किया है। घूमी निर्यातिक ने यह बताया है कि जो समुद्री तथा अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े के कारण यू स्स डालर प्रति मी.टन का एव्य दिया है। तभी आई एफ निर्यातीकीमत का भाड़े के लिए समायोजन किया गया है। निर्यातिक द्वारा किस गर असह्योग को ध्यान में रखते हुए यूकार द्वारा किये गये दावों के आधार पर दर पर कमीशन के लिए निर्यातीकीमत का समायोजन किया गया है।

111. लियाओनिंग मिनमेटल्स :

लियाओनिंग मिनमेटल्स के मामले में निर्यातीकीमत निर्यातिक द्वारा^१ की गई सूचना से प्राप्त हुई है। निर्यातिक ने ७५ की दर पर कमीशन यू स्स डालर प्रति मी.टन की दर पर विदेशी माल भाड़ा यू स्स डालर/मी.टन जहाजरभी प्रभार, यू स्स डालर/मी.टन की दर पर कलीयरेन्स तथा हैडलिंग के समायोजन का दावा किया है। ऐसा कि दावा किया गया है समायोजन कि अनुमति देना उपरुक्त समझा गया है। समायोजित निर्यातीकीमत पर कारछाना द्वारा निर्यातीकीमत के स्पष्ट ने विधार किया गया है।

114. थीन से अन्य निर्यातिक :

28. निर्यातिक के असह्योग को ध्यान में रखते हुए, याइना नेशनल के मामले में निर्यातीकीमत का आंकलन आयातक द्वारा दी गई सूचना से किया गया है। निर्यातिक द्वारा असह्योग को ध्यान में रखते हुए लियाओनिंग मिनमेटल्स द्वारा दो गई सूचना के आधार पर १ की दर पर कमीशन, समुद्री भाड़ा १ यू स्स डालर प्रति मी.टन की दर पर १, नौवहन प्रभार १ यू स्स डालर/मी.टन की दर पर १, कलीयरेन्स तथा हैडलिंग १ यू स्स डालर/मी.टन की दर पर १ निर्यातीकीमत का समायोजन किया गया है।
29. थीर से अन्य निर्यातिकों अपशिष्ट श्रेणी १ के मामले में निर्यातीकीमत का निर्धारण प्रारम्भिक जांघ के समय याचिकाकर्ता द्वारा १ जिसने थीन से आया तो की मात्रा और मूल्य की सूचनादी १ दी गई सूचना और लियाओनिंग मिनमेटल्स और आयातकों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर किया गया है।

निर्यात कीमत का आंकड़ा कुल निर्यातों से लिया और निंग मिनमेटल्स तथा
चाइना नेशनल द्वारा किए गए निर्यातों को कम करके किया गया है।
निर्यातिक के असाध्योग को ध्यान में रखते हुए लिया और निंग मिनमेटल्स
द्वारा दी गई सूचना के आधार पर । की दर पर कमीशन,
समुद्री भाड़ा ॥ यू स्स डालर प्रति मी.टन की दर पर ॥
नौवहन प्रभार ॥ यू स्स डालर/मी.टन की दर पर ॥
क्लीयरेन्स तथा हैडलिंग ॥ यू स्स डालर/मी.टन की
दर पर ॥ निर्यात कीमत का सम्बोजन किया गया है।

अ. तुलना

30. तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार है :

“अंपिंग का मार्जिन निकालते सम्य, नामित प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी सम्यावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अन्तर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में ग्रा-दोष के आधार पर छूट दी जाएगी; अन्तर में शामिल हैं बिक्री की शैत, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अन्तर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।”

31. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निर्यातकों आयातकों तथा याचिकाकर्त्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को हिसाब में लिया। प्रत्येक निर्यातिक के मामले में भारित औसत सामान्य मूल्य के साथ औसत निर्यात कीमत की तुलना की गई है।

32. तुलना से निम्नलिखित सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य तथा अंपिंग मार्जिन दिखाई देता है:

क्र.सं.	निर्यातिक का नाम	सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	अंपिंग मार्जिन
1.	उकार इंक, यू एस ए	*** ---	*** ---	45%
2.	एसजीएल कार्बन, जर्मनी	*** ----	*** ----	57%
3.	लिओनिंग मिनमेटल	*** ----	*** ----	75%
4.	घीन नेशनल	*** ----	*** ----	70%
5.	फ्रांस	*** ----	*** ----	93%
6.	इटली	*** ----	*** ----	शान्त
7.	आस्ट्रिया	*** ----	*** ----	88%
8.	सेन	*** ----	*** ----	56%
9.	बेल्जियम	*** ----	*** ----	43%

ट० क्षति :

33. ऊर नियम ।। अनुबंध-2 के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में धरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा । ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल हैं- उम्म किए गए आयातों की मात्रा, धरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के धरेलू उत्पादकों पर। ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव “.....” कीमतों पर उम्म किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इसकी यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में उम्म किए गए आयातों द्वारा कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती ।
34. ऊर नियम ।। के तहत अनुबंध ।। ३।।।३ में यह भी व्यवस्था की गई है कि यदि एक से अधिक देशों से होने वाले उत्पाद के आयात की प्रतिसाटन जांच होती हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित निर्धारित करने के बाद ही ऐसे आयातों के प्रभाव का संक्षयी मूल्यांकन करेगा ।
३५. **प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में प्रमाणित डॉपिंग का मार्जिन**
२% से अधिक है जो निर्धारित कीमत की प्रतिसाटता के रूप में व्यक्त है तथा प्रत्येक देश से होने वाले आयात की मात्रा समान वस्तुओं के आयात का ३% है या जहाँ प्रत्येक देश का नियांत ३% से कम है वहाँ संक्षयी आयात समान वस्तुओं के आयात का ७% से अधिक बेठता है; और
३६. **आयात के प्रभाव का संक्षयी मूल्यांकन आयातित सामान तथा वैसे ही धरेलू सामान के बीच प्रतियोगिता की शर्तों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त है।**
35. डॉपिंग का मार्जिन तथा यूएसए, चीन जन.गण., जर्मनी, बेल्जियम, फ्रांस, स्पेन तथा आस्ट्रिया से होने वाले आयातों की मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक हैं। आयात के प्रभाव का संक्षयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि यूएसए, चीन जन.गण., जर्मनी, बेल्जियम, इटली, फ्रांस, स्पेन तथा आस्ट्रिया से आयात तथा याचिकाकर्ता कम्पनियों से आपूर्तियाँ भारतीय बाजार में सीधे ही प्रतियोगिता में हैं ।

36 ॥ १ ॥ समान वस्तुओं के घरेलू उत्पादन के संबंध में नियमों के अनुबंध ॥ के पैरा ॥ ६ ॥ के अनुसरण में पाठित आयातों के प्रभाव का जायजा लिया जाएगा, जब उपलब्ध आँकड़े उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादकों की बिक्री तथा लाभ जैसे मानदंड के आधार पर उस उत्पादन की अलग शिमालत की अनुमति देते हैं। यदि उस उत्पादन की ऐसी अलग शिमालत संभव न हो, तो सबसे छोटे समूह के उत्पादन अथवा उत्पादों के वर्ग की जांच द्वारा पाठित आयातों के प्रभाव का जायजा लिया जाएगा, जिसमें समान उत्पाद शामिल हैं, जिसके लिए आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है।

37. यह देखा गया है कि यद्यपि विभिन्न प्रकार के फेफाइट इलेक्ट्रोड्स के अलग-अलग ग्रुप तथा प्रयोग इत्यादि हैं, तथापि कुछ प्रक्रियाएं ऐसी हैं जिसमें समान उपकरण तथा सुविधाओं का इत्तेमाल किया जाता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उत्पादन प्रक्रिया तथा उत्पादन क्षमताएं एक दूसरे को विभिन्न अनुपात में ढकती हैं, फेफाइट इलेक्ट्रोड्स के प्रत्येक किस्म के लिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का अनुमान लगाना न तो उपयुक्त होगा न ही व्यवहार्य। इसलिए, प्राधिकारी नियमों के अनुबंध ॥ के पैरा ६ के अनुसरण में, सभी प्रकार के फेफाइट इलेक्ट्रोड्स के लिए संक्षी प्रयोग सामूहिक रूप से क्षति का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त समझता है।

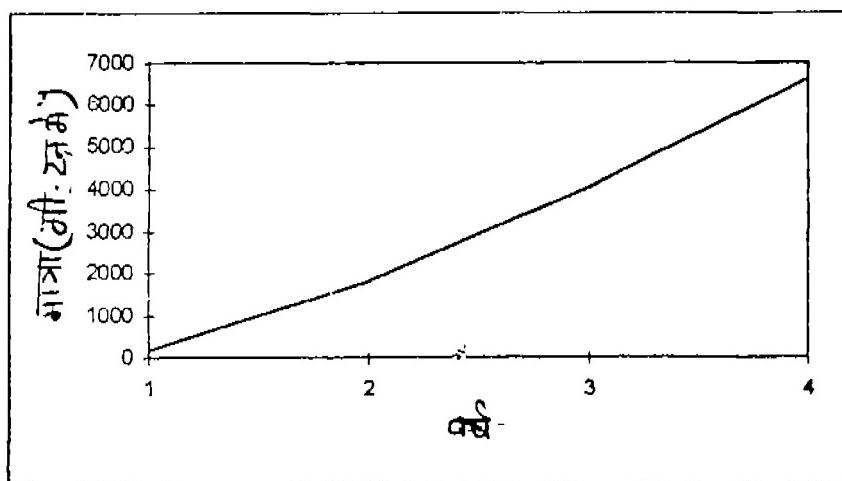
38. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए, ऊपर नियमों के अनुबंध ॥ १ ॥ ७ ॥ के अनुसार अधिकारी ने ऐसे सूचकों पर विचार किया है, जिसका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसे उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टाक, लाभदाता, कुल बिक्री जाय, डिपिंग मात्रा तथा मार्जिन आदि।

क. उम्म आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

39. डीजीसीआईएड एस द्वारा जारी किए गए आयात आँकड़ों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता क्योंकि डीजीसीआईएड एस भारत में मात्रा के रूप में आयातित फेफाइट इलेक्ट्रोड्स के आयात आँकड़ों का संग्रह नहीं करता। बूँकि इन देशों के सभी निर्यातकों ने और भारत के आयातकों ने प्राधिकारी को प्रतिक्रिया नहीं भेजी है,

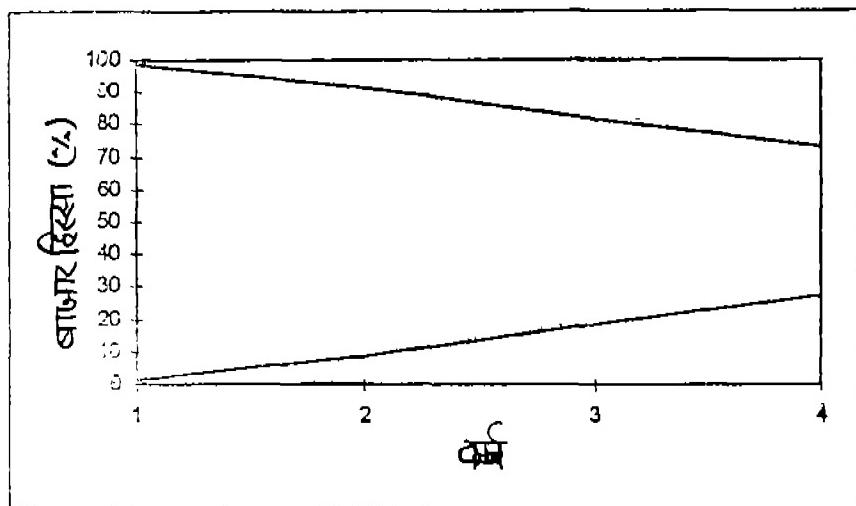
इसलिए प्राप्त प्रतिक्रियाओं से इन देशों से हुए वास्तविक आयातों के ब्यौरों का हिसाब नहीं लगाया जा सकता। आयातों की मात्रा के संबंध में याचिकाकर्त्ता द्वारा दी गई सूचना पर किसी भी हितकद पार्टी द्वारा विवाद नहीं खड़ा किया गया है। इसलिए, याचिकाकर्त्ता द्वारा दिए गए फ्रेक्षाइट इलैक्ट्रोड्स के आयातों के ब्यौरों पर भरोसा किया जा सकता है।

40. संबंधित देशों से भारत में फ्रेक्षाइट इलैक्ट्रोड का आयात 200 मी.टन $\frac{1}{2} 1992-93$ से बढ़कर 1994-95 में 4070 मीटन तथा 1995-96 में 6612 मी.टन हो गया है। जैसा कि संलग्न चित्र 'क' से देखा जा सकता है



चित्र "द" संबंधित देशों से फ्रेक्षाइट इलैक्ट्रोड का आयात

41. उपलब्ध आवड़ों के अनुसार देश में हुए कुल आयातों में संबंधित देशों का बाजार हिस्सा $0.96\% \frac{1}{2} 1992-93$ से बढ़कर $18.40\% \frac{1}{2} 1994-95$ और $27.42\% \frac{1}{2} 1995-96$ हो गया, जैसा कि संलग्न चित्र "छ" से देखा जा सकता है। इसके साथ ही घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा $99.04\% \frac{1}{2} 1992-93$ से गिरकर $72.58\% 1995-96$ हो गया।

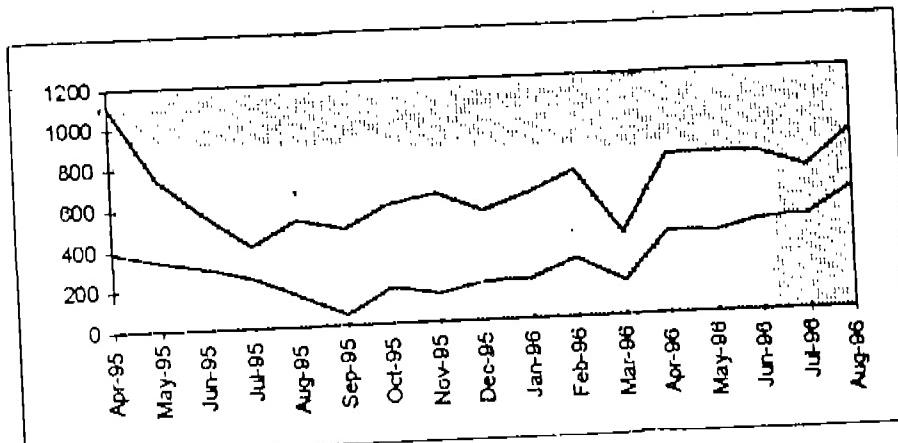


क्रि छ- आयात और घरेलू उधोग का बाजार हिस्सा

- छ० घरेलू उधोग के प्रभावित करने वाले आर्थिक स्थितिक
- १४ उत्पादन तथा क्षमता उपयोग
42. घरेलू उधोग के मेफा इट इलेक्ट्रोड का उत्पादन 34444 मीटन $\{1993-94\}$ से बढ़कर 36800 मी टन $\{1995-96\}$ हो गया। यह नोट किया जाता है कि उत्पादन में वृद्धि अपेक्षाकृत अधिक निर्यात मात्रा के कारण हुई है और उत्पादन में वृद्धि के बावजूद घरेलू बाजार में बिक्री कम हुई है।
- ११४ सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री
43. सम्पूर्ण मात्रा में घरेलू उधोग में बिक्री 18488 मी टन $\{1993-94\}$ से गिरकर 17500 मी टन $\{1995-96\}$ हो गई है। मेफा इट इलेक्ट्रोड्स की मांग में वृद्धि के बावजूद बिक्री मात्रा में गिरावट आई है। इसलिए, मांगमें हुई वृद्धि की पूर्ति आयातों द्वारा की गई है।
- १११४ बिक्री कीमत का रूख
44. बिक्री की प्रति मीटन औसत निवल वसूली $\{उत्पादन शुल्क तथा कटौती को निकालने के पश्चात्\}$ 65,386 रु. $\{1992-93\}$, 70792 रु. $\{1994-95\}$ तथा 74950 और 30138 $\{1995-96\}$, $\{1993-94\}$ और 90578 और 101302 $\{1995-96\}$ के बीच।

॥ १७ ॥ स्टॉक

45. जांच अधिक के दौरान घोरेलु उद्योग के पास फेकाइट इलैक्ट्रोड का स्टॉक १९९ मीटन से ४६१ मीटन के बीच रहा। घोरेलु उद्योग के पास फेकाइट इलैक्ट्रोड का स्टॉक बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शा रहा है जैसा कि चित्र "ग" से देखा जा सकता है।



चित्र "ग" — घोरेलु उद्योग के पास फेकाइट इलैक्ट्रोड का स्टॉक

॥ १८ ॥ लाभ/हानि

46. याचिकाकर्ता कंपनी फेकाइट इलैक्ट्रोडस के उत्पादन और बिक्री के अतिरिक्त कुछ अन्य क्रियाक्लापों में भी संलग्न है। फेकाइट इलैक्ट्रोडस के बाजार में भी सभी तीनों कंपनियाँ बड़ी मात्रा में फेकाइट इलैक्ट्रोडस का निर्यात कर रही है। इसलिए, भारतीय बाजार में फेकाइट इलैक्ट्रोडस की बिक्री से याचिकाकर्ता को हुई क्षति के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता व्यवसियों द्वारा प्रकाशित वार्षिक लेखोंमें दिए गए लाभ/हानि के आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। तथापि यह पाया गया है कि उत्पादन की प्रति यूनिट लागत और बिक्री मूल्यों से याचिकाकर्ता कंपनियाँ घोरेलु बाजार में एनुपीजी जी इलैक्ट्रोडस की बिक्री से वित्तीय लाभ कमाए रही थीं जबकि यूएस्पी इलैक्ट्रोडस की बिक्री से हानि हो रही थीं तथापि साचिकाकर्ता को लाभदायक प्रूटित आयातों के कारण एनपीजी इलैक्ट्रोडस उच्च शक्ति सहित आर यूएस्पी इलैक्ट्रोडस दाना के लिए हुआ।

वास्तविक क्षति का खतरा

47. इस बात के पर्याप्त सक्ति है कि संख्यित देशों से फेकाइट इलैक्ट्रोडस के आयात से पर्याप्त हानि होगी। (१) संख्यित देशों से आयातों में वृद्धि पूर्ण अर्थ में महत्वपूर्ण है, भारत में फेकाइट इलैक्ट्रोडस उत्पाद और उपभोग और भारत में फेकाइट इलैक्ट्रोड के आयात उत्पादन और बिक्री के इतिहास के संबंध में।

॥ १९ ॥ निर्यातक के पास पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है। डिपिंग के महत्वपूर्ण मार्जिन को ध्यान में रखते हुए भविष्य में उपभोग आयातों के बहुत बढ़ने की संभावना है;

॥ २० ॥ चीन जनवादी गणराज्य से एनपीजी इलैक्ट्रोडस के आयात भारत में उस कीमत पर हो रहे हैं जो महत्वपूर्ण रूप से निराशाजनक है और अथवा भारतीय बाजार में फेकाइट इलैक्ट्रोडस की कीमतों का प्रभाव निषेधात्मक है।

४०. क्षति के बारे में निष्कर्ष :

४८. प्राधिकारों इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि :
- ० वरिस्थितियों को मांग है कि क्षति के बारे में विधार संबद्ध देशों से हुस आयातों के लिए संधयों आधार पर किया जाए;
 - ० उन्नप जिस गश्जायातों का आक्षण घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बेचे गए ऐफाइट इलेक्ट्रोइस को समग्र रूप में जांच के जरिए किया जाना चाहिए;
 - ० जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से ऐफाइट इलेक्ट्रोइस के आयात में समग्र रूप में वृद्धि हुई है;
 - ० जांच अवधि के दौरान देश में ऐफाइट इलेक्ट्रोइस की छुल मांग में संबद्ध देशों द्वितीय में मठत्पूर्ण वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार का दोबार भूत गिरावट आई है।
 - ० संबद्ध देशों से हुस निर्यात से भारतीय उद्योग के ताम को बहुत क्षीति पहुँचा है। घरेलू उद्योग से सुंचित विभिन्न सूचक जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री को मात्रा, और बिक्री वस्तु, स्टाक, लाभ/हानि सम्मिलित रूप से और संधयों रूप से इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है हालांकि कुछ मापदण्डों से मुधार प्रदर्शित हुआ है।
 - ० संबद्ध देशों से हुस आयातों से घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति का छारा भी पैदा हो गया है।
४९. इस प्रकार प्राधिकारों का यह अभियान है कि घरेलू उद्योग को आस्तादिक क्षति हुई है।
५०. **भाउप्रोय_उद्योग_का_वित्र_और_उन्नयन_मुद्दे :**

५०. सामान्य रूप से प्रति-पाटन शुल्कों का उद्देश्य क्षेत्र पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है तथा भारतीय बाजार ने छोड़ और बिना भेदभाव को प्रतिस्पद्ता को स्थिरता को पुनः बहात रखा है जो कि देश के सामान्य वित्र में है।
५१. यह माना जाता है कि प्रति-पाटन शुल्क लगाने से ऐफाइट इलेक्ट्रोइस ते विषोःर्मित उत्पादों को कोनत क स्तर प्रभावित डो सज्जते हैं और तदुपरान्त उत्पादों को तुलनात्मक प्रतिस्पद्ता तमस्ता पर कुछ प्रभाव नहु सकता है। ऐन्नु, प्रति-पाटन उपायों से भारतीय बाजार में उपित प्रतिस्पद्ता कम नड़ो होगे, विशेषकर तब जबकि प्रतिपाटन शुल्क लगाने को उस राजि तक रखा जाए जो घरेलू उपयोग को विवरण ग्राहकरक हो। इसके विवरीत

प्रतिपाटन उपायों को लागू करने से पाटन की प्रथाओं द्वारा मुआप्त अनुचित लाफ़ समाप्त हो जाएगे, यह घरेलू उद्योग की अवनति को रोकेगा और ग्रेफाइट इलैक्ट्रोज्स के उपभोक्ताओं को और ज्यादा विस्तृत पतंद की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता करेगा। प्रतिपाटन उपायों को लागू किस जाने से किसी भी तरह से सबलू देशों से होने वाले आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा, इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

52. घरेलू उद्योग को क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक प्रतिपाटन शुल्क की मात्रा निर्धारित करने के लिए घरेलू उद्योग को क्षमता उपयोग के अधिकतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विधार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए भारत में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोज्स के उचित बिक्री मूल्य का सहारा लिया गया है। इन पीजीजी इलैक्ट्रोज्स तथा यू.सप.पी. इलैक्ट्रोज्स के लिए अलग-अलग उचित बिक्री मूल्य प्रस्तावित किए गए हैं।
53. पाटन के अतिरिक्त यदि अन्य किन्विं कारणों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई है तो पाटिट आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक प्रतिपाटन शुल्क की राशि की अनुशंसा करते हुए उन पर विधार नहीं किया गया है।
54. सीमाशुल्कों में कमी किसी भी तरह से पाटन को प्रभावित नहीं करती है। जहाँ तक क्षति का संबंध है, घरेलू उद्योग द्वारा झेली जा रही क्षति के स्तर की गणना जांच अधिक के दौरान सीमा शुल्क पर विधार करने के बाद की गई है।

३। पहुँच कीमत:

55. उकार तथा लिओनिंग मिनरल्स ने निर्यात कीमत के ब्यौरे दिश है। लेकिन निर्यातकों ने अलग-अलग सौदों की पहुँच कीमत नहीं दी है जैसा कि प्राथिकारी ने अनुरोध किया था। इसीलिए निर्यातकों द्वारा दी गई सूधना को आयातकों की सूधना के साथ सम्बद्ध किया गया है। अन्य निर्यातकों के मामले में पहुँच कीमत आयातकों द्वारा दी गई सूधना के आधार पर निर्धारित को गई है। पहुँच कीमत का निर्धारण प्रधानित सीमाशुल्क के स्तर पर विधार करते हुए उत्तराई प्रभार १% को दर से तथा अनुरक्षण प्रधार २% की दर से जो डैन के बाद किया गया है।

४। निष्कर्ष:

56. पूर्वोक्त पर विधार करने के बाद, यह देखा जा सकता है कि :
- १। क० १। यू.स्त.ए., धान जन० गण०, जर्मनी, ब्रैंडियर, इटली, प्रांस, स्पेन तथा

आरेस्ट्रिया मूल के या वहाँ से निर्धारित ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइंज़ का भारत को निर्धारित इसको तामान्य कीमत से कम कीमत पर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाठन हुआ है।

- छ० भारतीय उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है । यदि डीम्पिंग जारी रहती है तो यह आयात गम्भीर आर्थिक क्षति का कारण बन सकता है ।
- ग० संबद्ध देशों के आयातों द्वारा संघर्षी स्थ से क्षति हुई है ।
- ड० घरेलू उद्योग की एस्ट्रोविक क्षति को समाप्त करने के लिए, जांच-परिणाम के लम्बित रहने तक, चीन जनवादी गणराज्य मूल के या वहाँ से निर्धारित किस ग्रे एन्डीजी ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइंज़ के सभी आयात पर तथा चीन जन० गण० वा० छोड़ाउर गन्य संबद्ध देशों से यू.एच.पी. इलैक्ट्रोइंज़ के सभी आयातों पर अनित्तम जांच-परिणाम आने तक, अनित्तम स्थ से प्रतिपाठन शुल्क लगाना आधिक लक्ष्य जाता है ।
- ड० इस पर पिचार किया गया कि डीम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना हार्नियों को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा या नहीं । इस उद्देश्य से प्रत्येक निर्धारितक के लिए आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की उस उपित बिक्री कीमत से की गई जिसका निर्धारण जांच-अधिकारी के लिए किया गया है । यहाँ यह अन्तर डीम्पिंग मार्जिन से कम था, वहाँ डीम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क की अनुसंधान की गई । तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि अनित्तम निर्धारण के लम्बित रहने तक सीधा शुल्क टैरिफ़ के अध्याय 55 के अन्तर्गत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य मूल के या वहाँ से निर्धारित स्थ परी जी ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइंज़ के सभी आयातों पर तथा यू.एस.ए, जर्मनी, बेल्जियम, इटली, फ्रांस, स्पेन तथा आरेस्ट्रिया मूल के या वहाँ से निर्धारित यू.एच.पी. इलैक्ट्रोइंज़ के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संघर्ष में जारी की जाने वाली अधिकृतपना की तिथि से वे अनित्तम शुल्क लगाए जाएं जोकि नीचे निर्दिष्ट क्रिये गये हैं :

₹० प्रति मी० टन॥

इस निम्नलिखित मूल के निर्धारितक का नाम ग्रेफाइट शुल्क की सं० या वहाँ से निर्धारित इलैक्ट्रोइंज़ राशि

क० उत्पाद १२ २२ ३३ ५५ ८८ का आकार १२ २२

क० सुन् परी जी ग्रेफाइट इलैक्ट्रोइंज़ ग० उच्च ग्रेड संहिता आयात्र

I चोन जनवादी गणराज्य क० लिमिटेड मैटल्स एंड सभी आकार 13356
मिनरल्स इम्प्रोटेट एंड स्टॉपार्ट कॉर्पोरॉ

ख० धाइना नेशनल सभी आकार 11955
नानू फैक्स मैटल्स
आई/डी कॉर्पोरॉ

ग० उपर्युक्त से फ्रिन्न सभी आकार 16884
निर्धारितक

३० यू स्थ पी ग्रेसाइट इलेक्ट्रोज्झ

१.	२.	३.	४.	५.
१०० यू स्त स कृज्ञार इंक		28"-30"	अन्य तभी आज्ञार	पून्य 19410
	उपर्युक्त ते निम्न नियांतक		तभी आज्ञार	19410
२० जर्ननी कृस्तजीर्ल कार्बन स जी		28"-30" 22"-26"	अन्य तभी आज्ञार	पून्य 9021
	उपर्युक्त ते निम्न नियांतक		तभी आज्ञार	20933
३० फ्रांत	जोई भो नियांतक		तभी आज्ञार	29695
४० इट्टो	जोई भो नियांतक		तभी आज्ञार	21645
५० आैल्ड्रया	जोई भो नियांतक		तभी आज्ञार	27347
५० ह्वेन	जोई भो नियांतक		तभी आज्ञार	17125
७० एैल्ड्रयन	जोई भो नियांतक		तभी आज्ञार	16918

तन्ह ब्रात नियांतकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य दैतबद्ध पार्टीयों को प्राधिकारी द्वारा अलग ते लिहा जा रहा है। जो अपने विचारों ते अद्यत ऊराना चाढ़ते हैं, वे इस पत्र के जारों डॉने जो तिथि ते ४० दिनों के बीच आदेश दे रहे हैं। जोई अन्य दैतबद्ध पार्टी जो इन जांच पारेजानों के प्रशासन जो तारों ते ४० दिनों दे बीच विचार रख रहे हैं।

MINISTRY OF COMMERCE
NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June, 1997

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of graphite electrodes from USA, Austria, France, Germany, Italy, Spain, China PR, and Belgium -- Preliminary Findings

ADD/IW/43:- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - a) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Indian Graphite Electrodes Manufacturers Association on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Graphite Electrodes originating in or exported from the USA, China PR and Europe;
 - b) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were pointed out to the petitioner. The petitioner clarified that it complained against imports of Normal Power Grade Graphite Electrodes, including its variations (hereinafter referred to as NPG electrodes) from China PR and against imports of Ultra High Power Grade Graphite Electrodes (hereinafter referred to as UHP electrodes) from the USA and Europe (hereinafter all these countries, including China PR are being collectively referred to as the subject countries). NPG electrodes and UHP electrodes have been referred to as subject goods in this notification hereinafter;
 - c) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate the investigation against USA, China PR, Germany, Belgium, Italy, France, Spain and Austria. The Authority notified the Embassies of these countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules;

- d) The Authority issued a public notice dated 30th Sept., 1997 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigation concerning imports of NPG electrodes and UHP electrodes, classified under chapter 85 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from the subject countries. The Authority initiated anti dumping investigation against imports of NPG electrodes from China PR and against imports of UHP electrodes from the rest of the subject countries;
- e) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- f) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of Graphite Electrodes in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- g) Request was made to Central Board of Excise & Customs (CBEC) to arrange copies of all the relevant Bills of Entries for the period of investigation. No information was however, received from CBEC;
- h) The Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with rules 6(3) supra;
- i) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters:
- Ucar Inc., USA,
 - SGL Carbon AG, Germany,
 - China Metallurgical Import and Export Corp., China,
 - China National Non Ferrous Metals Import Export Corp., China,
 - Shanxi Export Import Corp., China,
 - Osia International, Hongkong,
 - Beijing Metal & Minerals Import Export Corp., China,
 - Ruhrkohle Trading Pacific Pvt. Ltd., Australia

M/s. Ucar Inc., SGL Carbon, and Liaoning Metals & Minerals Import & Export Corp. requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks.

Response to the questionnaire was filed by the following:

- Ucar International Inc., Danbury (hereinafter referred to as Ucar),
- Liaoning Metals & Minerals Import & Export Corp., China (hereinafter referred to as Liaoning Minmetals);

- j) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time. A copy of the

letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassies;

- k) The Austrian Trade Commissioner in India desired the name(s) of the Austrian company/organisation involved in the alleged dumped operations vide fax dated 1.10.96, which was supplied vide letter dated 8.10.96;
- l) The questionnaire was sent to the known importers of graphite electrodes in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4);

M/s. Rathi Ispat Ltd. requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks. Response to the questionnaire was filed by the following importers:

- Essar Steel Ltd., Hazira,
- Mukund Ltd., Thane,
- Lloyds Steel Industries Ltd., Wardha,
- Madhya Pradesh Iron & Steel Company, New Delhi,
- Rathi Ispat Ltd., Ghaziabad,
- Ferro Alloys Corp. Ltd., Nagpur,
- Kanoria Steels, Mumbai;

- m) Information regarding domestic industry was sought from Indian Graphite Manufacturers Association (hereinafter referred to as IGMA or petitioner), which was also furnished;
- n) Information deemed necessary for the purpose of preliminary findings was verified by the Authority;
- o) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry;
- p) The investigation was carried out for the period from starting 1st April, 1995 to 30th Aug., 1996.

B. PETITIONER'S VIEWS

- 2. The petitioner has raised the following major issues in its petition and subsequent submissions:

a. On dumping:

- The manufacturers of graphite electrodes in Europe, Ucar Inc. and SGL Carbon are exporting graphite electrodes to India at a price band of US \$ 2005 per MT (FOB) whereas the same is being sold by them in their home market at US \$ 3200 per MT;

- The export price of Ucar and SGL Carbon to other countries is between US \$ 2950 and 3162 per MT, as is evident from the Carbon Data Bank;
- Chinese manufacturers, directly as also through traders in Hongkong, are exporting graphite electrodes to India at a dumping price of US \$ 1100-1200 per MT. The export price from China does not cover cost of even raw materials and utilities;

On injury:

- While domestic demand for UHP electrodes is around 5300 MT, the share of the domestic industry has been steadily declining because of increasing imports from Europe/USA;
- Imports of UHP electrodes increased from 9% (1992-93) to 12% (1993-94) and 43% (1995-96) of the total domestic demand;
- Capacity utilisation of the domestic industry declined from 83% (1993-94) to 74% (1995-96);
- Imports of graphite electrodes from China resulted in decline in sales of the domestic industry from 18500 MT (92-93) to 15000 MT (95-96), causing injury to the domestic industry.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. The views expressed by the exporters, importers and other interested parties are briefly as under.

I. SGL Carbon AG:

- SGL Carbon denied the charges of dumping. The exporter opined that it had scrutinised all documents relevant to sales to India and found that the same were in conformity to the regulations of fair trade. The exporter further stated that the Indian suppliers were selling below market prices in Europe and abroad.

II. Ucar :

- It was contended that Ucar is responding to the market conditions set up by extreme duty restrictions. The high duty has resulted in losses to the Indian electric arc furnace sector. The secondary sector of the Indian steel industry needs assistance to become competitive in the world market. Imposition of Anti Dumping Duty would serve to hurt the ailing secondary steel sector and help to create a monopoly of supply of graphite electrodes in India;
- The growth in sales and assets of the three companies, Graphite India, HEG and Carbon Everflow does not indicate that the industry has suffered injury;

- Ucar began its sales efforts in India initially by supplying sizes that the Indian producers could not produce due to equipment constraints. The reasons for preference to Ucar's product is not low price, but high quality product and technical service;
- Ucar has supplied goods in Indian market at fair international prices.

III. Chinese exporters, importers and other interested parties:

a) On dumping:

- Export price from China is not lower than the prices at which the goods are sold in China;
- Exports from China are not subsidised;
- Some unscrupulous exporters in China might be exporting sub-standard quality or some unscrupulous importers might be importing by under-invoicing the import prices;
- There is a loss of average 5% during transit in case of imports;

b) On injury, causal link and other issues:

- Indian producers do not produce UHP electrodes and therefore, there is no justification in their complaint;
- Indian producers are operating in a cartel and keeping their prices artificially high and controlled and are acting in a semi-monopolised way;
- Imposition of Anti Dumping Duty would amount to extending unwarranted protection;
- The Indian industry has not made substantial growth, which has caused injury to it;
- Indian producers are already getting a protection of import duty and there is no justification to allow further benefit by imposing Anti Dumping Duty;
- Indian producers can export their goods and the Indian demand can be met through imports;
- Price of larger diameter electrode in China is higher, whereas in India, the price of smaller diameter electrode is higher. The consumers in India, therefore, prefer to import smaller diameter electrodes;
- Consumption of imported material is higher for producing per tonne of finished goods due to poor quality of the material;

- Indigenous material is purchased on an average of 20 days credit, resulting in a saving over imported @ 19.25% p.a.;
- Imported material is purchased in bulk quantities and involves extra costs on storage, interest loss on blocked funds on excessive inventory, financial charges, L/C opening charges, bank commission on documents retired, telex/postage charges;
- Essar Steel Ltd., one of the importer and a consumer of graphite electrodes, stated that it was the only user of 28"/30" dia electrodes in India. The company further stated that there is no Indian manufacturer producing this range. Import of these grades is absolutely necessary, and question of dumping of these grades electrodes does not arise;
- Quality of imported electrodes is more consistent;
- There are problems in supply from the Indian suppliers, who are in a habit of creating crisis and selling shorter length electrodes;
- Average selling prices of the Indian industry are significantly higher than average import prices from China;

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in this notification.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

5. The products covered under the scope of present investigation are graphite electrodes of the following types:-
- a) Ultra High power grade graphite electrodes (referred to as UHP electrodes)
 - b) Normal power grade graphite electrodes, including its variation, High Power grade (referred to as NPG electrodes)

The production process for manufacture of UHP electrodes requires calcined petroleum coke (needle structure, popularly known as needle coke), coal tar pitch and petroleum pitch as primary raw materials. The process involves forming, baking, impregnating, rebaking, graphitising and machining. In the process of manufacture of NPG regular grade electrodes, calcined petroleum coke is used alongwith other raw materials and the process involved is the same as of UHP electrodes except pitch impregnation and rebaking. It is also observed that calcined petroleum coke of regular grade is also used to manufacture High Power (HP) electrodes by undertaking additional pitch impregnation to the normal process of manufacturing NPG. This

additional process imparts certain enhanced/improved properties like current carrying capacity to the NPG electrodes.

In view of the above, all graphite electrodes including UHP, NPG alongwith its variations like high power grade are covered by the scope of the present investigation.

6. Graphite electrodes act as conductors of electricity in furnace and generate sufficient heat to melt scrap metal or other material used to produce steel or other materials. Heat is generated by graphite electrodes as electricity at very high amperes passes through it and creates an electric arc between the electrodes and the raw-material. The electrodes are generally consumed in the course of the production. The size of an electrode required will depend upon the size of the furnace, its electric transformer and plant productivity of the furnace. The size typically varies from 75mm to 750mm in diameter, 2 feet to 9 feet in length and weighs between 20 pounds to 4800 pounds. The rate of consumption of electrode depends upon the efficiency and productivity of the furnace.
7. Graphite Electrode is classified under chapter 85 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation and on the item liable to duty.

F. LIKE ARTICLES

8. NPG electrodes, including High Power and UHP electrodes are produced and sold in various sizes, as detailed above. Various size result from the same technology, processing and raw materials. The various sizes serve the same general purpose and differ only with regard to their end application in a furnace suitable to take a particular size.
9. The Authority notes that the graphite electrodes produced and sold by the domestic industry and imported from China PR were consumed interchangeably. Similarly, graphite electrodes produced and sold by the domestic industry and imported from USA, Spain, Italy, France, Austria, Belgium and Germany were consumed interchangeably. No significant difference in the products imported from the subject countries and products produced and sold by the domestic industry has been reported by any of the interested parties. The goods produced by the domestic industry were, therefore, similar, having closely resembling characteristics to the goods imported from the subject countries. The Authority, therefore, holds that NPG graphite electrode produced by the domestic industry is a like article to graphite electrode imported from China and UHP graphite electrode produced by the domestic industry is a like article to graphite electrode imported from the subject countries except China PR within the meaning of the rules.

G. DOMESTIC INDUSTRY

10. The petition has been filed by M/s Indian Graphite Manufacturers Association, PHD House, Opp. Asian Games Village, New Delhi. There are three producers of graphite electrodes in India:
M/s.
- Graphite India Ltd. (GI),
 - HEG Ltd. (HEG);
 - Carbon Everflow Ltd. (CE),

All the three producers are members of the Association and are participating in the present investigation. The petition is supported by all the graphite electrode producers in India. The petition is, therefore, considered as having being made on behalf of the domestic industry.

11. Production of Graphite India Ltd., HEG Ltd. and Carbon Everflow Ltd. accounted for a major proportion of the total domestic production in India. The three companies therefore, constitute domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

H. NORMAL VALUE

I. Ucar Inc.

12. Ucar Inc. filed their response. Normal value for the exporter has been worked out on the basis of information furnished by it, and the same is discussed below:

Ucar has plants at the following places:

- Clarkville Tennessee, USA,
- Columbia, Tennessee, USA,
- Welland Ontario, Canada,
- Monterrey, Nueva Leon, Mexico,
- Salvador Bahia, Brazil,
- EMSA (PTY) Ltd., Meyerton South, Africa,
- Calais, France,
- Notre-Dame-de-Briancon, France,
- Caserta, Italy,
- Pamplona, Spain.

13. The Authority notes that though the company has plants in several countries in the world, Ucar International Inc., Danbury, CT, USA has filed response on behalf of all the plants, giving therein details of all the exports made by it. In fact, the company has not even indicated the plant/country from where it has made exports.

14. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as

determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—
- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

15. Ucar has exported the goods from a country other than the country of origin. However, Ucar is producing the goods in the country of exports and there is a comparable price of the goods in the country of exports. Furthermore, Ucar had a choice of exporting the goods to India or selling in the domestic market of the country of exports. The normal value, therefore, has to be determined with reference to the country of exports, i.e., USA.
16. With regard to normal value in USA, the Authority notes that it is not clear from the information furnished by the exporter whether the same pertains to USA or all the plants of Ucar.
17. The exporter has claimed following adjustments in the domestic prices:
- i) Inland freight: The exporter has claimed an amount of US \$ *** per MT on account of inland freight.
- II) Handling: The exporter has claimed an amount of US \$ *** per MT on account of handling expenses.
- III) Commission: The exporter has claimed commission ranging between ***%.

The exporter has claimed same amount of adjustments in case of domestic and export sales. The claims at i) to iii) are allowed in order to work out ex-works realisations for the purpose of preliminary determination.

II. SGL Carbon:

18. SGL Carbon requested extension of time vide fax dated 20.11.1996, which was granted by the Authority. The exporter has, however, not furnished any response in the form and manner prescribed.

While requesting extension, SGL stated, on behalf of SGL Carbon AG and all its world-wide subsidiaries, that many of the questions such as details with regard to cost structures and facilities are in conflict with international principles of law.

The exporter, vide letter dated 25.2.1997 denied the charge stating that all documents relevant to sales to India were carefully scrutinised within the group and the same accurately reflect a behaviour which is in conformity to the regulations of fair trade. The exporter enclosed a statement showing its ex-works export price to India and its market price.

19. The argument of the exporter that many of the questions such as details with regard to cost structures and facilities are in conflict with international principles of law, is not tenable. Rule 6(2) authorises the Authority to collect such information as is deemed fit for arriving at a fair decision. The information requested by the Authority is essential to determine normal value and export price in accordance with the provisions of law.
20. Exports or alleged dumping by Indian industry is irrelevant for deciding normal value and/or export price of SGL.
21. In view of the above, there is no other option for the Authority but to treat the exporter as non-co-operative and the Authority has determined normal value in accordance with Rule 6(8), i.e., on the basis of best information available. The exporter has furnished details of the price at which it has exported to India (gross and net realisations from exports made to India). It is found that the exporter has sold in its home market at a gross price of US \$ ***** per MT and a net price of US \$ ***** per MT (after adjusting for inland freight of US \$ *** per MT). The petitioner has claimed normal value of US \$ ***** per MT. The Authority has considered the normal value in case of SGL Carbon on the basis of information furnished by the exporter even though response to the questionnaire has not been furnished.

III. Liaoning Minmetals:

22. Liaoning Minmetals has filed response in the format prescribed by the Authority. The response has been analysed and it is found that though the response has been filed on the letter head of Liaoning Minmetals, the information is in respect of some other entity. There are indications

in the response that the sales in the home market and exports to India and other countries are by separate entities. It is also found that the unit selling price furnished in the cost of production and profitability statement are on the basis of lowest selling price, whereas the exporter was required to furnish comparable selling price. The exporter has also not furnished details of factories involved in the production of like product and incentives given on exports sales by the Govt. in various forms, such as income tax concessions/ exemptions, reimbursements/ exemption of taxes on inputs, subsidised supplies of raw materials, utilities like power, water, etc., import entitlement of goods otherwise restricted for imports, etc. Furthermore, from a copy of the Company Profile enclosed by Liaoning Minmetals alongwith the response, it is found that the exporter, which is a state-owned company, is engaged in procurement, distribution and shipment of goods and apparently does not undertake production of goods.

In view of the above, the response filed by the exporter has been treated as incomplete and insufficient to arrive at a fair decision and the Authority has discarded the information furnished by the exporter. The normal value has been determined on the basis of information furnished by the petitioner, i.e., cost of production constructed for China PR.

IV. Other exporters from China:

23. It is found from the information furnished by the importers that China National Non-Ferrous Metals Import Export Henan Corp. (China National hereinafter) has also exported graphite electrodes to India. The exporter has not furnished any response. The Authority has considered determination of normal value in case of this exporter on the basis of cost of production constructed for China in accordance with Rule 6(8).

I. **EXPORT PRICE**

I. Ucar Inc:

24. Ucar has furnished details of exports made by it. The details include shipments made from a number of countries. Since the exporter has made exports to India at these prices, all exports made by it have been considered while determining export price, regardless of the country from where the goods were shipped. The Authority notes that the fact of physical shipment is of little consequence in deciding dumping.

In view of the above, the Authority has considered all the exports made by Ucar during the investigation period, irrespective of the place from where deliveries were made.

25. The exporter has claimed adjustments on account of inland freight, handling, commission, overseas insurance and overseas freight. The amount of claims in respect of inland freight, handling and commission are the same as have been claimed in case of domestic sales and therefore, have been allowed. The exporter has claimed an amount of US \$ *** per MT on account of overseas freight and US \$ *** per MT on

account of overseas insurance. The Authority has allowed these adjustments as claimed.

II. SGL Carbon:

26. As stated in the para relating to normal value, the exporter has furnished the price at which it has exported to India. The exporter has indicated that it has exported to India at a price of US \$ ***** per MT (CIF Mumbai) and US \$ ***** per MT (ex-works). It is, however, found from the information furnished by the importers that the exporter has not exported at a uniform price, as claimed by the exporter, and the export price is lower than the price indicated by the exporter. Since SGL has not furnished information with regard to export price in the form and manner prescribed, the Authority has determined export price in accordance with Rule 6(8), i.e., best available information. The Authority has considered determination of export price on the basis of details furnished by the importers. Since the exporter has indicated that it has incurred an expenditure of US \$ *** per MT on account of ocean and inland freight, the CIF export price has been adjusted for freight. The export price has been adjusted for commission @ ***% on the basis of claims made by Ucar, in view of non-cooperation by the exporter.

III. Liaoning Minmetals:

27. Export price in case of Liaoning Minmetals has been arrived at from the information furnished by the exporter. The exporter has claimed adjustments on account of commission @ *** %, overseas freight (@ US \$ *** per MT), shipping charges (@ *** US \$/MT), clearance and handling (@ *** US \$/MT). It is considered appropriate to allow adjustments on these accounts, as claimed. The adjusted export price has been considered as ex-works export price.

IV. Other exporters from China:

28. The export price in case of China National has been worked out from the information furnished by the importers, in view of non-cooperation by the exporter. The export price has been adjusted for commission @ ***%, overseas freight (@ US \$ *** per MT), shipping charges (@ *** US \$/MT), clearance and handling (@ *** US \$/MT), on the basis of information furnished by Liaoning Minmetals in view of non-cooperation by the exporter.
29. Export price in case of other exporters from China (residual category) has been determined on the basis of information furnished by the petitioner at the time of initiation (which indicated the volume and value of imports from China) and information furnished by Liaoning Minmetals and importers. The export price has been worked out after reducing the exports made by Liaoning Minmetals and China National from the total exports. The export price has been adjusted for commission @ *** %, overseas freight (@ US \$ *** per MT), shipping charges (@ *** US \$/MT), clearance and handling (@ *** US \$/MT), on the basis of information furnished by Liaoning Minmetals in view of non-cooperation by the exporter.

J. COMPARISON

30. The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

31. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the exporters, importers, and petitioner. The weighted average normal value has been compared with weighted average export price for individual exporter.
32. The comparison shows the following Normal Value, Export Price and dumping margins:

SN	Name of the exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin *
1.	Ucar Inc., USA	***	***	45%
2.	SGL Carbon, Germany	***	***	57%
3.	Liaoning Minmetal, China	***	***	75% –
4.	China National, China	***	***	70%
5.	France	***	***	93%
6.	Italy	***	***	nll
7.	Austria	***	***	88%
8.	Spain	***	***	56%
9.	Belgium	***	***	43%

* Dumping margin as a percentage of export price.

K. INJURY

33. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as

compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

34. Annexure II(III) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that
- the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and
 - cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
35. The margin of dumping and quantum of imports from USA, China PR, Germany, Belgium, Italy, France, Spain and Austria are more than the limits prescribed. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate since the imports from USA, China PR, Germany, Belgium, Italy, France, Spain and Austria and supplies from the petitioner companies are directly competing in the Indian market.
36. (i) The effect of the dumped imports shall be assessed, in accordance with para (vi) of the Annexure II to the Rules, in relation to the domestic production of the like article when available data permit separate identification of that production on the basis of such criteria as the production process, producers' sales and profits. If such separate identification of that production is not possible, the effect of the dumped imports shall be assessed by the examination of the production of the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the necessary information can be provided.
37. It is observed that though the different types of graphite electrodes have different characteristics, usage etc., there are a number of processes which use common equipment and facilities. In view of the fact that the production processes as well as the production capacities overlap each other in varying proportions, it would neither be appropriate nor feasible to assess the injury to the domestic industry for each type of graphite electrode. The Authority, therefore, in accordance with the para 6 of Annexure II to the Rules, considers it appropriate to assess the injury for all the types of graphite electrodes cumulatively and collectively.

38. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

a. Volume and Market Share of Dumped Imports

39. The imports statistics released by the DGCI&S cannot be relied upon, as DGCI&S does not compile imports statistics in terms of volume of graphite electrodes imported in India. Since all the exporters from these countries and importers in India have not responded to the Authority, details of actual imports from these countries cannot be worked out from the responses received. The information furnished by the petitioner with regard to the volume of imports has not been disputed by any interested party. The details of imports of graphite electrodes furnished by the petitioner have, therefore, been relied upon.

40. Imports of graphite electrode in India from the subject countries increased from 200 MT (1992-93) to 4070 MT in 1994-95 and 6612 MT in 1995-96 , as may be seen from the following figure A.

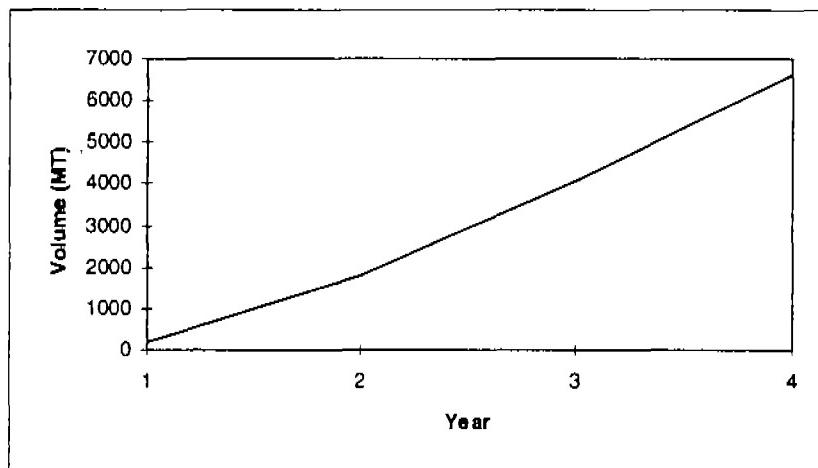


Figure A - Imports of graphite electrodes in India

41. As per the available statistics, market share of the subject countries in the total imports in the country increased from 0.96% (1992-93) to 18.40 % (1994-95) and 27.42% (1995-96) as can be seen from the following figure B. Market share of the domestic industry simultaneously declined from 99.04% (1992-93) to 72.58 % (1995-96).

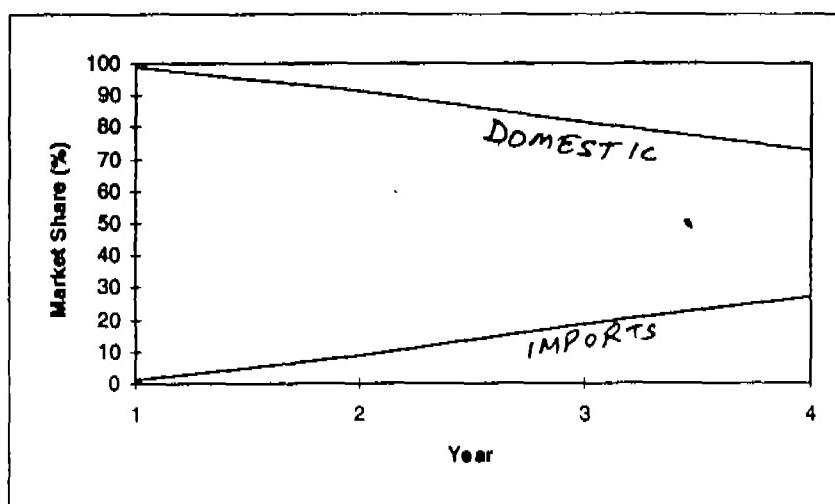


Figure B - Market share of domestic industry and imports

b. Economic indicators affecting domestic industry:

i) Production and Capacity Utilisation:

42. Production of graphite electrode of the domestic industry increased from 34444 MT (1993-94) to 36800 MT (1995-96). It is, however, observed that the increase in the production is because of higher export volumes and sales in the domestic market have declined in spite of increase in production.

ii) Sales in Absolute Quantity:

43. Sales of the domestic industry in absolute terms declined from 18488 MT(1993-94) to 17500 MT (1995-96). The decline in the sales volumes is inspite of increase in the demand of graphite electrodes. The increase in demand has been, therefore, catered to by the imports.

iii) Selling Price Trend:

44. Average net realisation per MT of sales (after excluding excise duty and discounts) were Rs. 65386 (1992-93), Rs. 70792 (1994-95) and Rs. between 74960 and 80138 (1995-96) in case of NPG electrodes and Rs. 72978 (92-93), 82582 (93-94) and between 90578 and 101302 (95-96) in case of UHP electrodes.

iv) Stock:

45. Stock of graphite electrodes with domestic industry during the period of investigation ranged between 410 MT to 1113 MT. Stock of graphite electrodes with the domestic industry show rising trend, as may be seen from the following figure C.

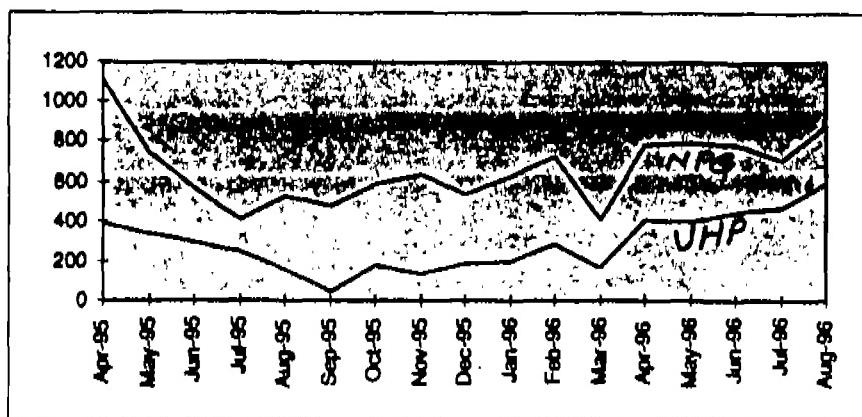


Figure C - Stock of NPG electrodes and UHP electrodes with the domestic industry

v) Profit/Loss

46. The petitioner companies are engaged in a number of activities in addition of production and sale of graphite electrodes. Even in the graphite electrodes market all the three companies are exporting graphite electrodes in significant quantities. The profit/loss reported by the petitioner companies in the published annual accounts can not be, therefore, relied upon for assessment of injury to the petitioner from sale of graphite electrodes in the Indian market. It is, however, found from the per unit cost of production and selling prices that the the petitioner companies were making financial profits from sale of NPG electrodes in the domestic markets whereas sale of UHP electrodes were at a loss. The petitioner however, suffered loss of profit because of dumped imports, both for NPG electrodes (including High Power) and UHP electrodes.

g. Threat of material injury:

47. There are enough indications that imports of graphite electrodes from the subject would cause a threat of material injury. These are:

i) The increase in the imports from the subject countries is significant in absolute terms, relative to production and consumption of graphite electrodes in India and the history of graphite electrodes imports, production and sales in India;

ii) There is sufficient capacity available with the exporters. In view of the significant margin of dumping there is a likelihood of substantially increased dumped imports in future;

iii) Imports of NPG electrodes from China PR are entering into India at a price which would have significant depressing and/or suppressing effect on the prices of graphite electrodes in the Indian market.

g. Conclusion on Injury:

48. The Authority concludes that:

- The circumstances warrant consideration of injury on cumulative basis for imports from the subject countries;
- The effect of dumped imports should be assessed by examination of graphite electrodes as a whole produced and sold by the domestic industry;
- The imports of graphite electrodes increased in absolute terms from the subject countries during the period of investigation;
- The share of the subject countries in the total demand of graphite electrodes in the country increased significantly during the investigation period. The domestic industry lost market to a significant extent;
- Exports from the subject countries resulted in a significant loss of profits to the Indian industry.
- Various indicators relating to domestic industry such, as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, profit/losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury, even though some of the parameters show improvement;
- Imports from the subject countries also cause a threat of material injury to the domestic industry.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

49. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
50. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using graphite electrodes and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of graphite electrodes. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any

way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

54. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, reasonable selling price of graphite electrodes in India for the domestic industry has been relied upon, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation. Separate fair selling prices have been considered for NPG electrodes and UHP electrodes.
52. Injury caused to the domestic industry from factors other than dumping, if any, have not been considered while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the injury to the domestic industry caused by dumped imports.
53. The reduction in custom duties in no way affect the dumping per se. In so far as the injury is concerned, the level of injury being faced by the domestic industry has been calculated after considering the custom duties prevailing during the period of investigation.

M. Landed Value:

54. Ucar and Liaoning Minmetals have furnished export price. The exporters have, however, not furnished the landed values of individual transactions, as requested by the Authority. The information furnished by the exporters has been, therefore, correlated with the information furnished by the importers. Landed values in case of other exporters have been determined on the basis of information furnished by the importers. Landed values have been worked out after considering the levels of prevailing customs duties, after adding landing charges (@ 1%) and handling charges.(@ 2%).

N. CONCLUSIONS

55. The Authority concludes, after considering the foregoing, that:
 - a. Graphite electrodes originating in or exported from USA, China PR, Germany, Belgium, France, Spain and Austria have been exported to India below their normal values, resulting in dumping;
 - b. the Indian industry has suffered material injury. The imports cause a threat of material injury, if the dumping continues;
 - c. the injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
56. It is considered necessary to impose anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of NPG graphite electrodes originating in or exported from China PR and on all imports of UHP electrodes from subject countries other than China PR in order to remove injury to the domestic industry, pending investigation.

57. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the individual imports for each exporter, for the purpose, were compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is recommended that provisional anti dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of NPG graphite electrodes originating in or exported from China PR and all imports of UHP electrodes originating in or exported from the USA, Germany, Belgium, Italy, France, Spain and Austria, falling under Chapter 85 of the Customs Tariff, pending final determination.

SN	Products originating in or exported from	Name of the exporter	Size of the graphite electrode	Amount of Duty (Rs. per MT)
A. NPG graphite electrodes (including High Power)				
1.	China PR	a) Liaoning Metals & Minerals Import & Export Corpn. b) China National Non Ferrous Metals I/E Corpn. b) Exporters other than the above	all sizes all sizes all sizes	13356 11955 16884
B. UHP graphite electrodes				
1.	USA	a) Ucar Inc. b) Exporters other than above	28"-30" All other sizes All sizes	NIL 19410 19410

SN	Products originating in or exported from	Name of the exporter	Size of the graphite electrode,	Amount of Duty (Rs. per MT)
2.	Germany	a) SGL Carbon AG	28"-30"	NIL
			22"-26"	9021
			All other sizes	20933
		b) Exporters other than above	All sizes	20933
3.	France	Any exporter	All sizes	29695
4.	Italy	Any exporter	All sizes	21645
5.	Austria	Any exporter	All sizes	27347
6.	Spain	Any exporter	All sizes	17125
7.	Belgium	Any exporter	All sizes	16918

58. The known exporters, importers, petitioners and other interested parties are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

Dipak Chatterjee, Designated Authority

